भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जोधपुर-2 की छमाही समीक्षा बैठक आयोजित

दिनांक 04 अगस्त 2026 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), जोधपुर-2 की छमाही समीक्षा बैठक का आयोजन केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में संस्थान के निदेशक एवं नराकास अध्यक्ष डॉ. एच. एस. जाट की अध्यक्षता में किया गया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. जाट ने कहा कि नराकास के सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप राजभाषा हिन्दी का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं राजभाषा के संवर्धन हेतु नराकास द्वारा निरंतर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहेगा। उन्होंने यह भी अपेक्षा व्यक्त की कि नराकास की बैठकों में सभी सदस्य कार्यालयों के कार्यालयाध्यक्ष स्वयं सहभागिता करें, जिससे राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

बैठक में श्री नवीन कुमार यादव, उप निदेशक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, नराकास-2 ने सभी सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा प्रस्तुत की तथा यह जानकारी दी कि नराकास, जोधपुर-2 को वर्ष 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्य के लिए राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा 'नराकास प्रोत्साहन पुरस्कार' हेतु चयनित किया गया है। उन्होंने सदस्य कार्यालयों की राजभाषा प्रगति संबंधी समीक्षा रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

बैठक के दौरान सदस्य कार्यालयों में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, बीएसएफ, जोधपुर को प्रथम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, जोधपुर को द्वितीय तथा भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, जोधपुर को तृतीय स्थान प्राप्त होने पर राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, नराकास के तत्वावधान में 29 जून 2026 को आयोजित हिन्दी ज्ञान एवं अनुवाद प्रतियोगिता के विजेता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। बैठक में वार्षिक कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, नराकास पत्रिका के प्रकाशन, राजभाषा कार्यशालाओं के आयोजन, हिन्दी प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा राजभाषा से संबंधित अन्य विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में विभिन्न सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की, जिनमें क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, महाप्रबंधक (इसरो), केन्द्रीय विद्यालयों के प्राचार्य, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अध्यक्ष, संयुक्त नियंत्रक रक्षा लेखा, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड के प्रभारी तथा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के उप सेनानी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।